'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 2nd Semester Examination, 2022

GE1-P2-HINDI

पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 3×4 = 12

(क) 'स्वच्छंदतावाद' शब्द का प्रयोग किस जर्मन आलोचक ने सर्वप्रथम किया था ? इसके तीन प्रमुख आलोचकों के नाम लिखिए।

(ख) मार्क्सवादी विचारधारा के तीन प्रमुख घटकों का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'फैन्टेसी' शब्द की उत्पत्ति और उसके अर्थ को अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) 'बिंब' की एक-एक परिभाषा भारतीय एंव पाश्चात्य दार्शनिकों के मतानुसार लिखिए।

(ङ) 'मिथक' के लिए प्रयुक्त हिंदी के किन्हीं तीन शब्दों का उल्लेख कीजिए।

(च) 'प्रतीक' कितने प्रकार के होते हैं ? उनके नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए– 6×4 = 24

(क) ऐतिहासिक भौतिकतावाद क्या है ?

(ख) 'प्राकृतिक प्रतीक' का परिचय उदाहरण सहित दीजिए।

(ग) ''माली आवत देखि कै कलियन करै पुकारि।
फूले-फूले चुन लिये काल्हि हमारी बारि।''
उपरोक्त उद्धरण में प्रतीकों की स्थिति निर्धारित करते हुए अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'काव्य दृष्टिपरक बिंब' की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'प्राथमिक कल्पना' कहने का क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

(च) फैंटेसी और मनोविज्ञान के अंतर्संबंध को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 12×2 = 24

(क) आधुनिकतावाद की अवधारणा स्पष्ट करते हुए साहित्य में आधुनिकतावाद की अभिव्यक्ति पर विचार कीजिए।

(ख) मार्क्सवाद की अवधारणा स्पष्ट करते हुए मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र की आवश्यकता और उपयोगिता पर विचार कीजिए।

(ग) मिथक की परिभाषा देते हुए साहित्य में मिथक की उपयोगिता पर विस्तारपूर्वक विचार कीजिए।

(घ) स्वच्छंदतावाद की अवधारणा स्पष्ट करते हुए 'हिंदी साहित्य में स्वच्छंदतावाद' पर निबंध लिखिए।

——×——